''छत्तीसढ़ में सतनाम पंथ की परम्परा और दर्शन''

(जैतराम सोनी के विशेष संदर्भ में )

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ के कला संकाय में हिन्दी विषय के अंतर्गत पी–एच.डी. पंजीयन हेतु निर्धारित

# प्रस्तावित शोध प्रबंध की रूपरेखा

सत्र – 2013


शोध निर्देशक
डॉ. अर्चना झा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग)
सहायक प्राध्यापक
श्री. शंकराचार्य महाविद्यालय,
सेक्टर–6,भिलाई नगर (छ.ग.)
HEAD
Department of Hindi
Shri Shankaracharya Mahavidyalaya
Sector - 6, BHILAI

डॉ. फिरोज़ा जाफ़र अली
सहायक प्राध्यापक
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भिलाई नगर (छत्तीसगढ़)
सह निर्देशक
डॉ. फिरोजा जाफर अली
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)
कल्याण स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,सेक्टर–7,
भिलाई नगर

शोध छात्रा
कु. अंजली जोशी

प्राचार्य
प्रो.एल.आर.वर्मा
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
सेक्टर–7 भिलाई नगर
PRINCIPAL
Kalyan Post Graduate College
Bhilai Nagar (C.G.)


कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर–7, भिलाई नगर, (छ.ग.)

# निर्धारित प्रारूप के विषय की रूपरेखा

1. **शोध का विषय** :– ''छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ की परम्परा और दर्शन''
**(जैतराम सोनी के विशेष संदर्भ में)**

2. **प्रस्तावना** :– साहित्य समाज और जीवन का निरूपण है । वह केवल दर्पण नही है । बल्कि उस पर कि गयी एक चोट है । साहित्य केवल इतिहास नही है बल्कि वह इतिहास के विकास के तथ्यों को संजोकर और वर्तमान में इसका अंगीकार कर भविष्य के प्रति एक दृष्टि–पथ भी है । साहित्यकार उसी जीवन को चित्रित करता है । जो समसामयिक होते हुए भी शाश्वत हो, यथार्थ होते हुए भी आर्दश का समाहार हो । वह अपनी अनुभूति को इस रूप में प्रस्तुत करता है कि कल्पना अनुमाश्रित तथ्य भी वास्तविकता को वितांत भी निर्मित करें क्योंकि लेखक को मालूम है कि समाज और जीवन ही वह नींव है जिस पर साहित्य रूपी भवन को उसे निर्मित कर स्थिर रखना है।

साहित्य समकालीनता को संवारता ही नही बल्कि उसे सुंदर दिशा देने योग्य बनाता भी है । वह जिस समाज में रहता है, उसका लाभ उस पर पड़ना वाजिब है यही कारण है कि साहित्य समाज और जीवन से जुड़कर ही सार्थक सिद्ध होता है । छत्तीसगढ़ में 250 वर्ष पूर्व संत घासीदास जी का प्रादुर्भाव हुआ था । इन्होंने सतनाम पंथ के द्वारा दलितों में जनजागरण की चेतना को विकसित किया और यहाँ सत्य, अहिंसा एवं नैतिकता के माध्यम से सात्विक जीवन का संचरण किया। इन्होने सतनाम पंथ का संचरण किया । इन्होने सतनाम पंथ का प्रवर्तन करके जहाँ एक ओर सतनामियों को धर्म भ्रष्ट होने से बचाया वही दूसरी ओर विकारों को तजने के लिए जो उपदेश दिये, वो इतने कारगर हुए कि न केवल दलित वरन् अनेक गैरदलितों ने भी सतनाम पंथ की दीक्षा सहर्ष ग्रहण की । इनके अनुयायी उल्लेखनीय संख्या में उपस्थित है ।

**3. पूर्वानुसंधान** :– प्रस्तुत शोध प्रबंध के पूर्व गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के द्वारा प्रकाशित एवं डॉ. विनय कुमार पाठक द्वारा संपादित ''**गुरू घासीदास**'' (1987) प्रकाशन हुआ  इसमें पहली बार गुरू घासीदास से संबंधित एवं महत्वपूर्ण तथ्यों से परिपूरित सामाग्रियों सहित लगभग 25 विद्वान लेखको के संग्रह के द्वारा एवं सत्यवंश सतनाम धर्म ग्रंथ लेखक राजमंहत नंकेसर लाल टण्डन कृत **सतनाम पंथ एवं दर्शन** की संपूर्ण जानकारी मिलती है । डॉ. हीरालाल शुक्ल के द्वारा एक वृहद ग्रंथ''**गुरू घासीदास संघर्ष समन्वय और सिद्धांत**'' इसी सिद्धांत को विकसित करके लिखा गया है । पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, व गुरू घासीदास विश्व विद्यालय बिलासपुर में इतिहास और हिन्दी साहित्य विषयक कुछ शोध प्रबंध लिखे गए जिसमें इस विषय के ऐतिहासिक पक्ष को डॉ. पदमा डढ़सेना एवं डॉ.मुकेश कुमार पांडे ने प्रस्तुत किया तथा साहित्यिक पक्ष को डॉ. गायत्री साहू ने पंथी गीतो को आधार मानकर प्रस्तुत किया । इन सभी ग्रंथो और शोध प्रबंधों में सतनाम पंथ और दर्शन पर मात्र परिचयात्मक सामग्री दी गई है । मैं इसी आधार पर पूर्ववर्ती अध्ययन को सूत्र रूप में बढ़ाकर जैतराम सोनी के अवदान को अनाव्रत करने का प्रयास करूंगी ।

**4. शोध का उद्‌देश्य** :– किसी भी शोधकार्य की सार्थकता उसके उद्देश्यपरक अध्ययन मृगतृष्णा की भांति भटकाव उत्पन्न करते है । इस विषय पर अनुसंधान करने का दूसरा उद्देश्य यह है कि अभी तक इस विषय पर कोई भी शोधार्थी अनुसंधानरत् नहीं है । शोध की एक विशेषता यह भी होती है किसी ऐसे विषय पर अनुसंधान कार्य करना चाहिए जिस पर अभी तक कोई कार्य नही हुआ हो और जो मौलिक भी हो । अतः विषय का चयन शोध के मानदंडो को पूरा करते  हुए किया गया है । प्रस्तुत शोध का उद्देश्य निम्नवत है :–

1) छत्तीसगढ़ में गुरू घासीदास जी का प्रभाव व उनके द्वारा प्रवर्तित सतनाम पंथ और दर्शन पर वृहद विवेचना ।

2) छत्तीसगढ़ प्रदेश के एक ऐसे सतनामी लेखक जिन्होने सतनाम पंथ और दर्शन पर लेखनी चलायी है, उनके संदर्भ में पूर्नमूल्यांकन का प्रयास शोध प्रबंध का प्रयोजन प्रमाणित होगा ।

5. <u>**प्रबंध का कार्यक्षेत्र**</u> :— जैसा कि पूर्व में लिखा जा चुका है कि सतनाम पंथ और दर्शन का संबंध यहाँ पर गुरू घासीदास के व्यक्तित्व और अवदान को लेकर किया जाना है । अतः इस शोध प्रबंध का कार्यक्षेत्र छत्तीसगढ़ होगा ।

## 6. शोध प्रविधि :—

- प्रस्तावित शोध कार्य हेतु आलोचनात्मक, समीक्षात्मक, विवेचनात्मक व साक्षात्कार प्रविधियों का प्रयोग किया जाएगा ।

## 7. तथ्य संकलन के साधन

(अ) प्राथमिक तथ्यों के संकलन के स्त्रोत :— साक्षत्कार

(ब) द्वितीयक तथ्यों के संकलन के स्त्रोत :— पत्र—पत्रिकाएँ, जीवनी, शोध ग्रंथो का निरीक्षण, इन्टरनेट से प्राप्त स्त्रोत, आलोचकों का दृष्टिकोण

# प्रस्तावित शोध प्रबंध की रूपरेखा

## छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ की परम्परा और दर्शन

## (जैतराम सोनी के विशेष संदर्भ में)


प्रस्तावना

1. विषय की व्याख्या
2. विषय की व्याप्त सीमाएं
3. शोध का कार्यक्षेत्र
4. विषय पर हुए शोध कार्य का सर्वेक्षण (पूर्वानुसंधान)
5. शोध का प्रयोजन

अध्याय–1 छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ : परम्परा का उद्भव और विकास

1.1 छत्तीसगढ़ की धार्मिक व दार्शनिक पृष्ठभूमि

1.2 छत्तीसगढ़ में प्रचलित अन्य धार्मिक सम्प्रदाय और सतनाम पंथ

1.3 सतनाम पंथ की अवधारणा

1.4 छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ के उद्भव विकास के चरण

1.5 सतनाम पंथ के संबंध में विभिन्न विद्वानों के विचारो की समीक्षा

अध्याय–2 सतनाम पंथ की दार्शनिक पृष्ठभूमि

2.1 दर्शन से आशय ?

2.2 भारतीय दर्शन और सतनाम दर्शन

2.3 सतनाम दर्शन के आधारभूत सिद्धांतों की विवेचना

2.4 सतनाम पंथ में निहित दर्शन का वैशिष्ट्य

(क) ईश्वर संबंधी विचारणा

(ख) जीव संबंधी विचारणा

(ग) सृष्टि संबंधी विचारणा

(घ) माया संबंधी विचारणा

(ङ) मोक्ष संबंधी विचारणा

2.5 सतनाम शब्द विषयक सिक्ख धर्म और सतनाम पंथ की अवधारणा

2.6 दलितोधार और दलित दर्शन

अध्याय–3 सतनाम पंथ और दलित चेतना

3.1 दलित शब्द की व्याख्या और इसका स्वरूप

3.2 दलित चेतना से आशय

3.3 भारतीय हिन्दु वर्ण व्यवस्था और दलित समाज

3.4 हिन्दी संत काव्य में दलित चेतना

3.5 छत्तीसगढ़ में दलित चेतना का स्वरूप

3.6 सतनाम पंथ में अभिव्यक्त दलित चेतना और डॉ. जैतराम सोनी

अध्याय–4 सतनाम पंथ के संवर्धन में डॉ. जैतराम सोनी के जीवन और व्यक्तित्व का योगदान

4.1 डॉ. जैतराम सोनी : एक व्यक्ति एक संस्था

4.2 डॉ. जैतराम सोनी जीवन एवं व्यक्तित्व की संक्षिप्त रूपरेखा

जीवन परिचय : पारिवारिक परिवेश, माता–पिता, जन्म, तिथि, वंश, परम्परा, शिक्षा, दीक्षा, पुरस्कार और सम्मान

व्यक्तित्व का बाहय और आंतरिक पक्ष

अध्याय –5 सतनाम पंथ के परिपेक्ष्य में जैतराम सोनी के कृतित्व का मूल्यांकन

5.1 सोनी जी के काव्य ग्रंथ और उस पर सतनाम पंथ का प्रभाव

5.2 उपन्यास साहित्य और सतनाम पंथ

5.3 निबंध साहित्य और सतनाम पंथ

5.4 समीक्षात्मक ग्रंथ और सतनाम पंथ

5.5 संस्मरण और यात्रा साहित्य पर प्रभावशील विवेचना

5.6 जैतराम सोनी जी के कृतित्व का वैशिष्ट्य

अध्याय–6 जैतराम सोनी का सतनाम पंथ और दलित चेतना पर केन्द्रित शोध परक साहित्य

6.1 सतनाम के अनुयायी

6.2 सतनाम की दार्शनिक पृष्ठभूमि

6.3 गुरू घासीदास जी की अमर कथाएँ

6.4 राष्ट्रीय दलित चेतना के विकास में गुरू घासीदास जी का योगदान

6.5 पंथी गीत एवं 'राष्ट्रीय चेतना सतनाम पोथी' (मंगल गीत)

6.6 सतनाम दर्शन गुरू घासीदास स्मारिका–2012

<u>उपसंहार</u> :– छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ के विकास में डॉ. जैतराम सोनी का साहित्यिक प्रदेय

परिशिष्ट 1 आधार ग्रंथ सूची

परिशिष्ट 2 संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट 3 पत्र–पत्रिकाएँ

परिशिष्ट 4 साक्षात्कार एवं पत्राचार

परिशिष्ट 3 डॉ. जैतराम सोनी के संबंध में विद्वानों के मत

परिशिष्ट 3 चित्रावली

शोध निर्देशक
डॉ. अर्चना झा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग)
सहायक प्राध्यापक
श्री. शंकराचार्य महाविद्यालय,
सेक्टर–6,भिलाई नगर (छ.ग.)
HEAD
Department of Hindi
Shri Shankaracharya Mahavidyalaya
Sector – 6, BHILAI

डॉ. फिरोज़ा जाफर अली
सहायक प्राध्यापक
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भिलाई नगर (छत्तीसगढ़)

सह निर्देशक
डॉ. फिरोजा जाफर अली
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)
कल्याण स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,सेक्टर–7,
भिलाई नगर

शोध छात्रा
कु. अंजली जोशी

# आधार ग्रंथ सूची


1. सोनी, जे. आर : सतनाम की दार्शनिक पृष्ठभूमि, प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर
2. सोनी, जे. आर : गुरूघासीदास की अमरकथाएं, श्री प्रकाशन, दुर्ग
3. सोनी, जे. आर : सतनाम के अनुयायी, स्मिता प्रकाशन दुर्ग, प्रथम संस्करण, 1995.
4. सोनी, जे. आर : पछतावा (उपन्यास), प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर 2001.
5. सोनी, जे.आर : राष्ट्रीय दलित चेतना में गुरूघासीदास का योगदान गुरूघासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, राजेन्द्र नगर, रायपुर 2003.
6. सोनी, जे. आर : मितान (कहानी संग्रह), प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर 2003.
7. सोनी, जे. आर : मॉरीशस एक लघु भारत (यात्रा संस्मरण), सृजन सम्मान माध्यामिक शिक्षा मंडल आवसीय परिसर एफ–3, पेंशनबाड़ा, रायपुर 2004.
8. सोनी, जे. आर : पंथी गीत एवं राष्ट्रीय चेतना, गुरूघासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, राजेन्द्र नगर, रायपुर 2005.
9. सोनी, जे. आर : चंद्रकला (छत्तीसगढ़ी उपन्यास), वैभव प्रकाशन 2005
10. सोनी, जे. आर : श्रीलंका एक संस्मरण (यात्रा संस्मरण), वैभव प्रकाशन 2005.
11. सोनी, जे. आर : नीरा (कहानी संग्रह), वैभव प्रकाशन 2005.
12. सोनी, जे. आर : इंग्लैंड में भारत (यात्रा संस्मरण), वैभव प्रकाशन 2007
13. सोनी, जे. आर : छत्तीसगढ़ से अमेरिका (यात्रा संस्मरण), वैभव प्रकाशन 2008.
14. सोनी, जे. आर : सतनाम पोथी, गुरूघासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, राजेन्द्र नगर, रायपुर 2009.
15. बलदेव : जे. आर. सोनी (व्यक्तिव एवं कृतित्व), श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली 2009.
16. सोनी, जे. आर : सतनाम दर्शन स्मारिका, गुरूघासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, राजेन्द्र नगर, रायपुर 2013.

# अप्रकाशित शोध प्रबंध


1. गहरे, जोगलाल : संत गुरूघासीदास जी का धर्म–दर्शन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 2000.
2. जोगलेकर, कमलनारायण : संत गुरूघासीदास एवं सतनाम पंथ का ऐतिहासिक अध्ययन, पं. रविशंकर शुक्त विश्वविद्यालय, रायपुर 1998.
3. जांगड़े, अरविंद : गुरू घासीदास जी का समग्र मूल्यांकन, पं.रविशंकर शुेक्त विश्वविद्यालय,रायुपर
4. ठाकुर, शरद : गुरू घासीदास पर लिखे साहित्य एवं स्त्रोतों का ऐतिहासिक अनुशीलन, पं. रविशंकर शुक्त विश्वविद्यालय,रायुपर 2001.
5. डढ़सेना, पदमा : छत्तीसगढ़ के सामाजिक जीवन पर गुरूघासीदास का प्रभाव, पं. रविशंकर शुक्त विश्वविद्यालय,रायुपर 1983
6. भतपहरी, अनील : छत्तीसगढ़ के निर्गुण संत साहित्य में गुरू घासीदास जी का योगदान, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 2009.
7. देशलहरे, पंचूराम : हिन्दी के हरिजन संतो की परम्परा में घासीदास की काव्यचेतना का सांस्कृतिक अनुशीलन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 1982.
8. यास्मीन, मेहजबीन : छत्तीसगढ़ में दलित उत्थान, गुरू घासीदास एवं पं. सुंदरलाल शर्मा के विशेष संदर्भ में, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.
9. लालबाला श्रीमति विजय : छत्तीसगढ़ के पंथी लोकगीतों का साहित्यिक, सांस्कृतिक, समाजशास्त्रीय एवं लोकतात्विक अध्ययन, पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर 1990.
10. साहू, गायत्री : छत्तीसगढ़ में प्रचलित पंथी लोकगीतों का सांस्कृतिक अनुशीलन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 1998.
11. सोनवानी, आई.आर : छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय आंदोलन में सतनाम पंथ का योगदान, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 1989.
12. शर्मा, गीता : गुरू घासीदास जी के विचारों और चिंतन पर एक दार्शनिक विश्लेषण, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 2006.

# पत्र – पत्रिकाएँ

1. अगासदिया, संपादक – डॉ. परदेशीराम वर्मा, दुर्ग
2. गुरूघासीदास, संपादक – डॉ. विनय कुमार पाठक, बिलासपुर.
3. भक्त–शिरोमणि, संपादक – राजबहादुर सिंह महन्त, हिन्दी
4. सत्यालोक, संपादक – डी.एल.दिव्यकार, रायपुर मासिक पत्रिका उत्तर प्रदेश.
5. सत्यनाम ज्योति, संपादक – श्रीमति सावित्री दास, उत्तर प्रदेश
6. सत्यध्वज, संपादक – दादूलाल जोशी 'फरहद', राजनांदगांव
7. सत्यदीप आभा, संपादक – राजमहंत सांवलाराम डाहरे, रायपुर

# संदर्भ ग्रंथों व शोध–पत्रिकाओं की सूची


(1) टण्डन, भजनदास (2013). ''सतनाम–धर्म'', सत्यलोक–13, पृ.सं. 31–33

(2) टण्डन, लाल नंकेसर, राजमहंत (2003). ''सत्यवंश सतनाम धर्मग्रंथ'', झुरूराम नंकेसर लाल, अकलतरा, पृ.सं.–15.

(3) पाठक, विनय कुमार (2005). ''गुरूघासीदास और राष्ट्रीय दलित चेतना'', सत्यध्वज, अंक–49, पृ.सं.–17–21.

(4) बंजारे, गोविंद साहेब (2013). ''सतनाम–धर्म–दर्शन'', सत्यलोक अंक–13, पृ.सं.–12–13.

(5) शुक्ल, हीरालाल (1995). ''गुरू घासीदास संघर्ष समन्वय और सिद्धांत'' (1756–1850), मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पृ.सं.–199.

(6) 'सरल', बंजारे, स्वामीराम (2013). ''सतनामी समाज की उत्पति, गौरवशाली इतिहास एवं गुरू घासीदास का जीवन दर्शन, सत्यलोक अंक–13, पृ.सं. 8–11.

(7) Bose.P.N.1890 Chhattisgarh : Notes on its tribes, Sects and castes' in Journal of Asiatic Society of Bengal, Calcutta.

(8) Chisolm, J.W. 1868. Report on the Land Revenue Settlement of The Bilaspore District in the Central Provinces, Nagpur.

(9) Russell, R.V. and Hiralal, R.B. 1916. The Tribes and Castes of the Central Provinces of India, Vols. I and II, London, reprint 1975, Delhi.

(10) Shukla, H.L. 1994, Semiotica Indica, 2 Vols, New Delhi.



शोध निर्देशक
डॉ. अर्चना झा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग)
सहायक प्राध्यापक
श्री शंकराचार्य महाविद्यालय,
सेक्टर–6 भिलाई नगर (छ.ग.)

HEAD
Department of Hindi
Shri Shankaracharya Mahavidyalaya
Sector – 6, BHILAI

सह निर्देशक
डॉ. फिरोजा जाफर अली
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)
कल्याण स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,सेक्टर–7
भिलाई नगर

डॉ. फिरोजा जाफर अली
सहायक प्राध्यापक
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भिलाई नगर (छत्तीसगढ़)

शोध छात्रा
कु. अंजली जोशी